Daily Current Affairs

Date : 31 October, 2025

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	राजस्थान विधिविरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम, 2025
2.	पुष्कर मेला – 2025
3.	गेंदा (Tagetes erecta) पर राजस्थान विश्वविद्यालय का शोध अध्ययन
4.	राजस्थान में 'राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन'
5.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. विश्व का पहला गोपालन कॉरिडोर 2. जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल – 2026 3. 'सेंटिनल स्ट्राइक' युद्धाभ्यास 4. गुलाब कोठारी को महर्षि वेदव्यास पुरस्कार 2025 5. सांभर झील में एवियन बोटुलिज़्म से पक्षियों की मौत
6.	डिजिटल गिरफ्तारी
7.	पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन (EAS)
8.	WTO में भारत के खिलाफ शिकायत
9.	राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदानों (NDCs): UNFCCC
10.	भारत की कुल स्थापित विद्युत क्षमता
11.	क्लाइमेट इनेक्वलिटी रिपोर्ट 2025
12.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. तूफान मेलिसा 2. चक्रवात मोंथा

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राजस्थान परिदृश्य

राजस्थान विधिविरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम, 2025

चर्चा में क्यों?

- 29 अक्टूबर, 2025 को राजस्थान गृह विभाग ने धर्मांतरण विरोधी कानून को लागू करने का नोटिफिकेशन जारी किया। इस नोटिफिकेशन के साथ 'राजस्थान विधिविरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम, 2025' के प्रावधान पूरे राज्य में लागू हो गए।

मुख्य बिन्दु:

- 9 सितम्बर, 2025 को राजस्थान विधानसभा में राजस्थान विधिविरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध विधेयक, 2025 ध्वनिमत से पारित किया गया था।
- **उद्देश्य** : किसी भी व्यक्ति या संस्था द्वारा धोखाधड़ी, बलपूर्वक या अनुचित तरीके से किसी व्यक्ति का धर्म परिवर्तन करने पर अंकुश लगाना।

प्रावधान :

- जिन संपत्तियों का उपयोग जबरन धर्म परिवर्तन करवाने के लिए किया गया है, उनकी जब्ती की जा सकेगी।
- विधि विरुद्ध धर्म परिवर्तन करवाने के उद्देश्य से किया गया विवाह, फैमिली कोर्ट या इस अधिनियम में निर्धारित अन्य सक्षम न्यायालय द्वारा निरस्त किया जा सकेगा।
- नए अधिनियम के अंतर्गत धर्म परिवर्तन करने वाले व्यक्ति को जिला मजिस्ट्रेट या उनके द्वारा अधिकृत अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट के समक्ष स्वेच्छा से एवं बिना किसी दवाब के धर्म परिवर्तन करने की जानकारी 90 दिन पूर्व देनी होगी। ऐसा नहीं करने की स्थिति में न्यूनतम 7 से 10 वर्ष तक का कारावास और 3 लाख रुपए का जुर्माना लगाया जाएगा।
- धर्म परिवर्तन करवाने वाले धर्माचार्य को जिला मजिस्ट्रेट अथवा उनके द्वारा अधिकृत अधिकारी के समक्ष धर्म परिवर्तन का नोटिस 2 माह पूर्व देना होगा। उल्लंघन की स्थिति में न्यूनतम 10 से 14 वर्ष तक की सजा और 5 लाख रुपए का जुर्माना लगाया जाएगा।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

कारावास और अर्थदंड :

अपराध	कारावास	अर्थदंड
छल कपट और जबरन तरीके से धर्म परिवर्तन कराने पर	न्यूनतम कारावास - 7 वर्ष अधिकतम कारावास - 14 वर्ष	5 लाख रुपए का जुर्माना
अल्पवयस्क, महिला, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, दिव्यांगजन आदि को कपटपूर्ण तरीके से धर्म परिवर्तन करवाने पर	न्यूनतम कारावास - 10 वर्ष अधिकतम कारावास - 20 वर्ष	10 लाख रुपए का जुर्माना
कपटपूर्ण तरीकों से सामूहिक धर्म परिवर्तन करवाने वाले व्यक्ति को	न्यूनतम कारावास - 20 वर्ष अधिकतम कारावास - आजीवन	25 लाख रुपए का जुर्माना
धर्म परिवर्तन के लिए विदेशी एवं अवैध संस्थाओं से धन प्राप्त करने वाले व्यक्ति को	न्यूनतम कारावास - 10 वर्ष अधिकतम कारावास - 20 वर्ष	20 लाख रुपए का जुर्माना
धर्म परिवर्तन करवाने के लिए किसी व्यक्ति को जीवन, संपत्ति के लिए धमकाने वाले, झांसा देकर विवाह करने, बेचकर दुर्व्यापार करने या इस निमित्त दुष्प्रेरित करने वाले व्यक्ति को	न्यूनतम कारावास - 20 वर्ष अधिकतम कारावास - आजीवन	30 लाख रुपए का जुर्माना
धर्म परिर्वतन के लिए पूर्व में दोषी सिद्ध अपराधी को पुनः दोष सिद्धि होने पर	न्यूनतम कारावास - 20 वर्ष अधिकतम कारावास - आजीवन	50 लाख रुपए का जुर्माना

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु :

विभिन्न राज्यों के धर्मांतरण विरोधी कानून :

राज्य	वर्ष
अरुणाचल प्रदेश	1978
आंध्र प्रदेश	2007
उत्तराखंड	2018
हिमाचल प्रदेश	2019
उत्तर प्रदेश	2021
कर्नाटक	2021
हरियाणा	2022

- **भारतीय संविधान में धर्मनिरपेक्षता से संबंधित प्रावधान :** भाग III (मौलिक अधिकार), भाग IV (राज्य के नीति निदेशक सिद्धांत) और भाग IV (मौलिक कर्तव्य) में निहित।

प्रावधान	विवरण
प्रस्तावना	42वाँ संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 प्रस्तावना में धर्मनिरपेक्ष शब्द जोड़ा गया। 'धर्मनिरपेक्ष' का अर्थ: एक ऐसा गणराज्य जिसमें सभी धर्मों के लिए समान सम्मान हो।
अनुच्छेद 14	विधि के समक्ष समता (कानून के सामने समानता) या विधियों का समान संरक्षण

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

अनुच्छेद 16 (1)	सार्वजनिक रोजगार में सभी नागरिकों को अवसर की समानता और धर्म, मूलवंश, जाति, लिंग, वंश, जन्म स्थान और निवास के आधार पर कोई भेदभाव नहीं किया जाएगा।
अनुच्छेद 25	यह 'अंतरात्मा की स्वतंत्रता' प्रदान करता है, अर्थात सभी व्यक्तियों को अंतरात्मा की स्वतंत्रता और धर्म को स्वतंत्र रूप से मानने, आचरण करने और प्रचार करने का समान अधिकार है।
अनुच्छेद 26	प्रत्येक धार्मिक समूह या व्यक्ति को धार्मिक और धर्मार्थ उद्देश्यों के लिए संस्थाओं की स्थापना और रखरखाव करने तथा धर्म के मामलों में अपने स्वयं के मामलों का प्रबंधन करने का अधिकार है।
अनुच्छेद 27	राज्य किसी भी नागरिक को किसी विशेष धर्म या धार्मिक संस्था के प्रचार या रखरखाव के लिए कोई कर देने के लिए बाध्य नहीं करेगा।
अनुच्छेद 28	यह विभिन्न धार्मिक समूहों द्वारा संचालित शैक्षणिक संस्थानों को धार्मिक शिक्षा प्रदान करने की अनुमति देता है।
अनुच्छेद 29 और 30	अल्पसंख्यकों को सांस्कृतिक और शैक्षिक अधिकार ।
अनुच्छेद 51A	यह सभी नागरिकों को सद्भाव और समान भाईचारे की भावना को बढ़ावा देने तथा हमारी मिश्रित संस्कृति की समृद्ध विरासत को महत्व देने और संरक्षित करने के लिए बाध्य करता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

पुष्कर मेला – 2025

चर्चा में क्यों?

- 30 अक्टूबर, 2025 को 'श्री पुष्कर मेला' का ध्वजारोहण के साथ शुभारम्भ हुआ।

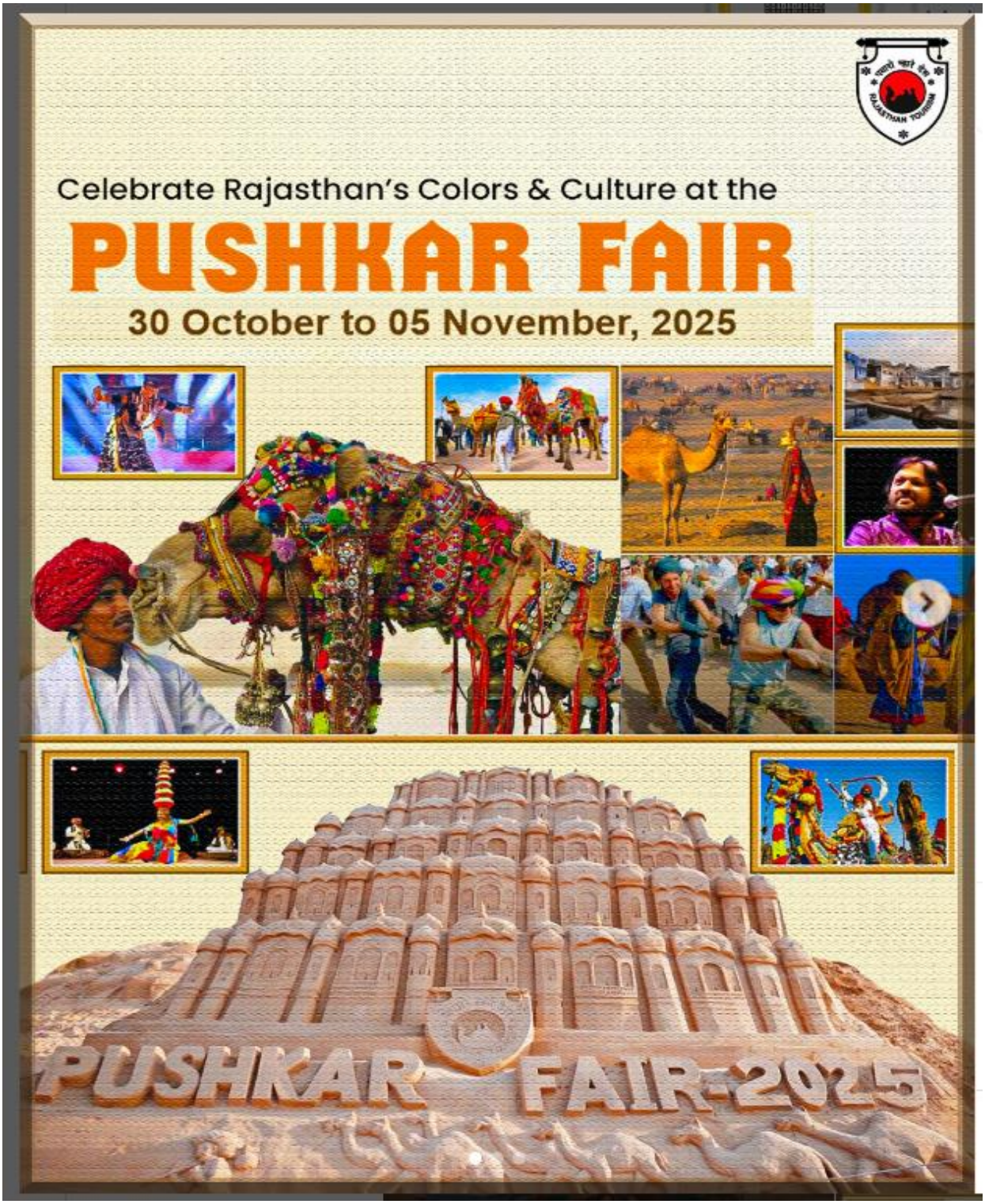

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

मुख्य बिन्दु:

- **ध्वजारोहण :** उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी एवं जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत द्वारा।
- **आयोजन :** 30 अक्टूबर से 5 नवंबर, 2025 तक।
- **आयोजक :** राजस्थान पर्यटन विभाग।
- **मुख्य आयोजन :** पुष्कर मेले का मुख्य आयोजन कार्तिक पूर्णिमा को होता है।
- पुष्कर मेला राजस्थान की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक एवं पर्यटन विरासत का प्रतिनिधित्व करता है। इसी महत्त्व को देखते हुए राज्य सरकार ने मेले के बजट को 70 लाख रूपये से बढ़ाकर एक करोड़ रूपये किया है।
- **नोट :** वर्ष 2025 के पुष्कर मेले में अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त नगाड़ा वादक नाथूलाल सोलंकी एवं उनके दल द्वारा 101 नगाड़ों का वादन किया गया।
- **नोट :** 6 जुलाई, 2025 को पुष्कर में 'राष्ट्रीय ऊंट दौड़ चैम्पियनशिप' के प्रथम संस्करण का आयोजन किया गया।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

राजस्थान के अन्य प्रमुख पशु मेले :

क्र.सं.	पशु मेला	स्थान
1.	श्री बलदेव पशु मेला	मेड़ता (नागौर)
2.	श्री तेजाजी पशु मेला	परबतसर (नागौर)
3.	श्री रामदेव पशु मेला	मानासर (नागौर)
4.	श्री मल्लीनाथ पशु मेला	तिलवाड़ा (बालोतरा)
5.	चन्द्रभागा पशु मेला	झालरापाटन (झालावाड़)
6.	श्री गोमतीसागर पशु मेला	झालरापाटन (झालावाड़)
7.	श्री जसवन्त पशु मेला	भरतपुर
8.	गोगामेड़ी पशु मेला	हनुमानगढ़
9.	महाशिवरात्रि पशु मेला	करौली
10.	कार्तिक पशु मेला	पुष्कर (अजमेर)

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

गेंदा (Tagetes erecta) पर राजस्थान विश्वविद्यालय का शोध अध्ययन

चर्चा में क्यों?

- राजस्थान विश्वविद्यालय के रसायन शास्त्र विभाग की प्रो. सुमिता कच्छवाहा के नेतृत्व में हाल ही में गेंदा (Tagetes erecta) पर शोध अध्ययन किया गया।

मुख्य बिन्दु:

- **उद्देश्य :** गेंदे के पौधे में पाए जाने वाले औषधीय यौगिकों का अध्ययन करना।
- अध्ययन में पाया गया कि गेंदे के फूल में क्वेरसेटिन, कैफिक एसिड और स्टिगमास्टेरॉल जैसे औषधीय यौगिक पाए जाते हैं।

औषधीय गुण एवं महत्व:

- **क्वेरसेटिन :** इसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी (सूजनरोधी) गुण पाए जाते हैं। यह हृदय रोग, कैंसर और न्यूरोडीजेनेरेटिव रोगों से बचाव में सहायक है।
- **कैफिक एसिड :** इसमें एंटीऑक्सीडेंट, एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीकैंसर गुण मौजूद हैं। यह डायबिटीज, उच्च रक्तचाप और न्यूरोडीजेनेरेटिव विकारों के उपचार की संभावनाएँ बढ़ाता है।
- **स्टिगमास्टेरॉल :** इसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी, एंटीकैंसर और एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं। यह प्रोजेस्टेरोन और विटामिन D_3 जैसे हार्मोनों के संश्लेषण में सहायक है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राजस्थान में 'राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन'

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, अफ्रीकी देश इथियोपिया के उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने राजस्थान का दौरा किया और राज्य में संचालित राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के बारे में जानकारी प्राप्त की।

मुख्य बिन्दु:

- इस प्रतिनिधिमंडल में 15 सदस्य इथियोपिया सरकार से, 3 सदस्य विश्व बैंक से, 7 सदस्य माइक्रोसेव कंसल्टिंग से तथा 4 सदस्य राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से सम्मिलित थे।
- राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (NRLM) भारत सरकार का एक प्रमुख गरीबी उन्मूलन और आजीविका संवर्धन कार्यक्रम है। इसका उद्देश्य ग्रामीण गरीब परिवारों को स्थायी आजीविका के अवसरों तक पहुँचने में सक्षम बनाना है।
- **मिशन की शुरुआत :** जून, 2011 में हुई।
- **नाम परिवर्तन :** 25 नवंबर, 2015 को इसका नाम बदलकर दीनदयाल अंत्योदय योजना - राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (DAY-NRLM) कर दिया गया।
- **कार्यान्वयन :** केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा।
- यह मिशन ग्रामीण गरीबों, विशेषकर महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों (SHG) में संगठित कर उन्हें सशक्त बनाने पर केंद्रित है।
- **राजस्थान में DAY-NRLM की कार्यान्वयन एजेंसी :** राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद (RGAVP)

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

न्यूज़ इन शॉर्ट्स

क्र. सं.	न्यूज़
1.	**विश्व का पहला गोपालन कॉरिडोर** ■ सिक्किम के राज्यपाल ओमप्रकाश माथुर द्वारा गोपाष्टमी (कार्तिक शुक्ल अष्टमी) के अवसर पर नंदगाँव (सिरोही) में विश्व के पहले गोपालन कॉरिडोर का शिलान्यास किया गया। ■ राजस्थान सरकार द्वारा गाय के संवर्धन एवं उन्नयन के लिए प्रत्येक पंजीकृत गोशाला को प्रति गाय 50 रुपये प्रतिदिन और छोटे बछड़ों के लिए 25 रुपये प्रतिदिन की सहायता दी जा रही है। ■ गौ संवर्धन के लिए बैलों से खेती करने वाले किसानों को भी 30,000 रुपये प्रतिवर्ष अनुदान राशि दी जा रही है।
2.	**जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल – 2026** 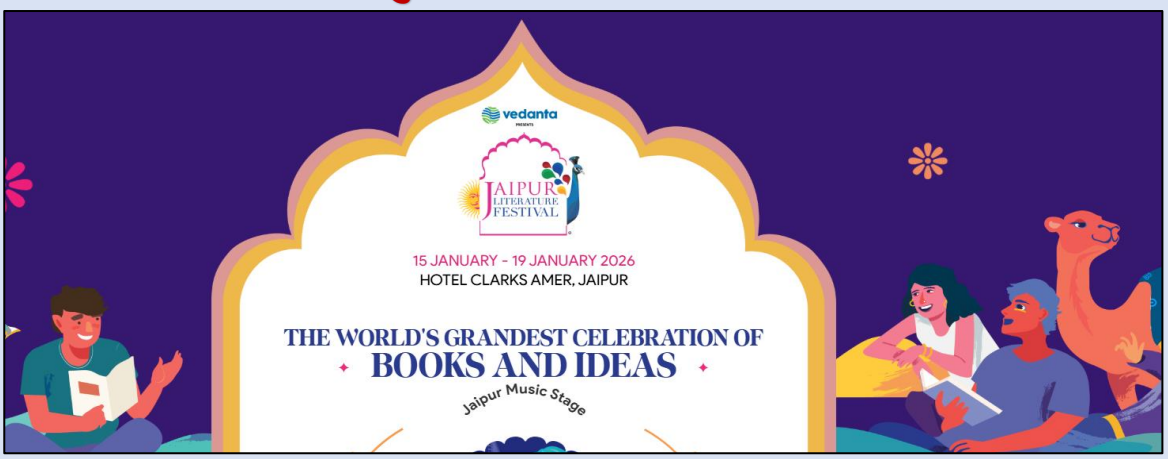 ■ **आयोजन :** 15 से 19 जनवरी, 2026 तक होटल क्लार्क्स आमेर। ■ **संस्करण :** 19वाँ। ■ जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल जयपुर विरासत फाउंडेशन की एक पहल है। ■ **प्रमुख वक्ता :** सर्न जिनेवा की वरिष्ठ भौतिक विज्ञानी अर्चना शर्मा, भारत के पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार अरविंद सुब्रमण्यन, नोबेल पुरस्कार विजेता एस्तेर डुफलो, आयरलैंड के पूर्व प्रधानमंत्री लियो वराडकर, बुकर पुरस्कार विजेता लेखिका किरण देसाई, कवि जीत थायिल और व्यंग्यकार इयान हिसलोप।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

3.	**'सेंटिनल स्ट्राइक' युद्धाभ्यास** ■ **आयोजन :** महाजन फील्ड फायरिंग रेंज (बीकानेर) में। ■ **आयोजक :** भारतीय सेना की सप्त शक्ति कमान। ■ अभ्यास के दौरान अटैक हेलीकॉप्टर, टी-72 टैंक, बीएमपी इंफेंट्री वाहन और लंबी दूरी तक मार करने वाली स्वदेशी हथियार प्रणालियों का उपयोग किया गया। ■ **नोट :** बीकानेर स्थित महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में 06 से 15 अक्टूबर, 2025 तक भारत और रूस के बीच इंद्र-2025 संयुक्त सैन्य अभ्यास का आयोजन किया गया।
4.	**गुलाब कोठारी को महर्षि वेदव्यास पुरस्कार 2025** ■ महर्षि वेदव्यास प्रतिष्ठान, पुणे (महाराष्ट्र) द्वारा पत्रिका समूह के प्रधान संपादक गुलाब कोठारी को महर्षि वेदव्यास पुरस्कार प्रदान करने की घोषणा की गई। ■ गुलाब कोठारी इस पुरस्कार को प्राप्त करने वाले राजस्थान के दूसरे व्यक्ति हैं। इससे पहले प्रो. दयानंद भार्गव को यह पुरस्कार प्रदान किया गया था।
5.	**सांभर झील में एवियन बोटुलिज़्म से पक्षियों की मौत** ■ राजस्थान की सबसे बड़ी झील सांभर में हाल ही में एवियन बोटुलिज़्म के कारण प्रवासी पक्षियों की मौत हो गई। ■ एवियन बोटुलिज़्म (Avian Botulism) क्लोस्ट्रीडियम बोटुलिनम नामक जीवाणु द्वारा उत्पादित एक विष (टॉक्सिन) के कारण होने वाली एक गंभीर न्यूरोमस्कुलर (तंत्रिका-मांसपेशी) बीमारी है। ■ यह मुख्य रूप से जंगली पक्षियों, विशेषकर जलपक्षियों को प्रभावित करती है, जिससे उनमें लकवा (पक्षाघात) हो जाता है। ■ क्लोस्ट्रीडियम बोटुलिनम बैक्टीरिया मिट्टी और पानी (विशेष रूप से आर्द्रभूमि तलछट) में पाया जाता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राष्ट्रीय परिदृश्य

डिजिटल गिरफ्तारी

चर्चा में क्यों?

- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि "डिजिटल गिरफ्तारी" आज नागरिकों के सामने सबसे खतरनाक खतरों में से एक बन गई है।

मुख्य बिन्दु:

- डिजिटल गिरफ्तारी एक साइबर घोटाले को संदर्भित करता है, जिसमें धोखेबाज फर्जी वीडियो कॉल, जाली आईडी और आधिकारिक दिखने वाली वेबसाइटों का उपयोग करके व्यक्तियों पर अपराध का झूठा आरोप लगाते हैं और उन्हें पैसे देने के लिए मजबूर करते हैं।
- गृह मंत्रालय (MHA) और भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (I4C) ने सार्वजनिक परामर्श जारी किया है।
- नागरिकों से आग्रह है कि वे ऐसे मामलों की रिपोर्ट राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर करें।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य

पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन (EAS)

चर्चा में क्यों?

- 20वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में शांति और स्थिरता पर कुआलालंपुर घोषणा-पत्र को अपनाया गया।

मुख्य बिन्दु:

- इस घोषणा-पत्र का उद्देश्य EAS कार्य योजना (2024–2028) के तहत् संयुक्त परियोजनाओं और गतिविधियों को लागू करना है। यह आसियान 2045: आवर शेयर्ड फ्यूचर विज़न के अनुरूप है।

पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन (EAS)

- यह पूर्वी एशिया में शांति, स्थिरता और समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए नेताओं के नेतृत्व वाला एक मंच है। इसमें रणनीतिक, राजनीतिक एवं आर्थिक मुद्दों पर संवाद व सहयोग किया जाता है।
- **स्थापना:** 2005
- **पहला शिखर सम्मेलन:** कुआलालंपुर (मलेशिया)
- **सदस्य:** आसियान के सदस्य देश तथा इनके साथ ऑस्ट्रेलिया, चीन, भारत, जापान, न्यूजीलैंड, दक्षिण कोरिया, संयुक्त राज्य अमेरिका और रूस शामिल हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

WTO में भारत के खिलाफ शिकायत

चर्चा में क्यों?

- चीन ने PLI योजना के तहत् सब्सिडी को लेकर WTO में भारत के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। चीन ने आरोप लगाया है कि भारत की इलेक्ट्रिक वाहनों और बैटरी से संबंधित तीन भारतीय PLI योजनाएँ वित्तीय सहायता प्रदान करती हैं। यह सहायता भारत में परिचालन करने वाली कंपनियों को दी जाती है।

मुख्य बिन्दु:

- ये योजनाएँ कंपनियों को स्वदेशी उत्पादों के उपयोग के लिए प्रेरित करती हैं। इससे आयातित वस्तुओं का उपयोग हतोत्साहित होता है। चीन का कहना है कि यह WTO के "सब्सिडी और प्रतिकारी उपाय समझौते (SCM समझौते)" के तहत् प्रतिबंधित श्रेणी का उल्लंघन है।

उत्पादन से संबद्ध प्रोत्साहन (PLI) योजना

- **शुरुआत:** वर्ष 2020
- **उद्देश्य:** रणनीतिक क्षेत्रकों में लक्ष्य-आधारित और प्रदर्शन-आधारित प्रोत्साहनों के माध्यम से घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देना है।
- **मुख्य क्षेत्रक:** शुरुआत में यह योजना केवल 3 क्षेत्रकों पर केंद्रित थी, लेकिन बाद में इसका 14 क्षेत्रकों तक विस्तार किया गया। इनमें इलेक्ट्रॉनिक्स, वस्त्र, ऑटोमोबाइल, खाद्य प्रसंस्करण जैसे क्षेत्रक शामिल हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी

राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदानों (NDCs): UNFCCC

चर्चा में क्यों?

- UNFCCC ने पेरिस समझौते के तहत् राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदानों (NDCs) पर एक संश्लेषण रिपोर्ट जारी की। NDCs पेरिस समझौते के अनुच्छेद 4 के तहत् राष्ट्रीय उत्सर्जन को कम करने और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के प्रति अनुकूलन के लिए प्रत्येक देश के प्रयासों को दर्शाते हैं।

मुख्य बिन्दु:

- रिपोर्ट में पाया गया कि 64 पक्षकार देशों द्वारा प्रस्तुत NDCs वैश्विक तापमान वृद्धि को 1.5°C तक सीमित रखने के लिए आवश्यक उत्सर्जन कटौती के लक्ष्य से काफी पीछे हैं। ये पक्षकार देश 2019 में वैश्विक उत्सर्जन के लगभग 30% हिस्से के लिए जिम्मेदार थे।
- 1.5°C लक्ष्य प्राप्त करने के लिए 2035 तक उत्सर्जन में 60% की कटौती जरूरी है। हालांकि, NDCs के परिणामस्वरूप 2035 तक केवल 17% की गिरावट आने का अनुमान है।
- इसके अतिरिक्त, विश्व मौसम विज्ञान संगठन के ग्रीनहाउस गैस बुलेटिन के अनुसार, 2024 में वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड, मीथेन और नाइट्रस ऑक्साइड का स्तर अब तक के सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गया था।

भारत के NDCs:

- भारत ने अगस्त 2022 में अपने अपडेटेड प्रथम NDCs प्रस्तुत किए थे। इनमें वर्ष 2030 तक के लिए महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किए गए हैं-
  - अपने GDP की उत्सर्जन तीव्रता को 2005 के स्तर की तुलना में 45% तक घटाना।
  - गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा स्रोतों से कुल स्थापित विद्युत क्षमता का लगभग 50% हासिल करना।
  - वन और वृक्ष आवरण में वृद्धि के माध्यम से 2.5 से 3 बिलियन टन कार्बन डाइऑक्साइड समतुल्य का अतिरिक्त कार्बन सिंक बनाना।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

भारत की कुल स्थापित विद्युत क्षमता

चर्चा में क्यों?

- भारत की कुल स्थापित विद्युत क्षमता 500 गीगावाट के पार पहुँच गई। भारत ने अपने प्रमुख पंचामृत लक्ष्य में से एक को निर्धारित समय से पाँच वर्ष पहले ही हासिल कर लिया है। यह लक्ष्य 2030 तक गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से 50% स्थापित विद्युत ऊर्जा क्षमता हासिल करना है। भारत द्वारा पंचामृत लक्ष्य की घोषणा COP-26 के दौरान की गई थी

मुख्य बिन्दु:

- वर्तमान में भारत में विद्युत उत्पादन में गैर-जीवाश्म ईंधन का योगदान 51% (256 गीगावाट), और जीवाश्म ईंधन का योगदान 49% (244 गीगावाट) हो गया है।

नवीकरणीय स्रोतों की हिस्सेदारी:

- **सौर-** 127 गीगावाट
- **पवन-** 53 गीगावाट
- **जलविद्युत-** 47 गीगावाट

भारत की नवीकरणीय ऊर्जा संबंधी पहलें

- **PLI योजना:** इसका उद्देश्य उच्च दक्षता वाले सौर पीवी मॉड्यूल के घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देना है।
- **पीएम-कुसुम:** यह ग्रिड से कनेक्टेड सौर ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना और कृषि में उपयोग होने वाले वाटर पम्प को सौर ऊर्जा से चलाने के लिए शुरू की गई है।
- **ग्रीन हाइड्रोजन मिशन:** इसका उद्देश्य भारत को ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पादन, उपयोग और निर्यात का वैश्विक केंद्र बनाना है।
- **हरित ऊर्जा गलियारा:** इसका उद्देश्य बड़े पैमाने पर नवीकरणीय ऊर्जा के वितरण के लिए ट्रांसमिशन नेटवर्क को मजबूत करना है।
- **रिन्यूएबल परचेज ऑब्लिगेशंस:** यह विद्युत वितरण कंपनियों के लिए नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से उत्पन्न विद्युत का एक निर्धारित प्रतिशत खरीदना अनिवार्य करता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

महत्त्वपूर्ण सूचकांक एवं रिपोर्ट

क्लाइमेट इनेक्वलिटी रिपोर्ट 2025

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, वर्ल्ड इनेक्वलिटी लैब द्वारा क्लाइमेट इनेक्वलिटी रिपोर्ट 2025 जारी की गई।

मुख्य बिन्दु:

- **धनी वर्ग द्वारा असमान उत्सर्जन:** शीर्ष 1% धनी लोगों का वैश्विक उपभोग आधारित उत्सर्जन में 15% का योगदान है।
- **उत्सर्जन में चरम असमानता:** उपभोग के आधार पर शीर्ष 1% धनी लोगों का प्रति व्यक्ति उत्सर्जन, निचले वर्ग की 50% आबादी की तुलना में 75 गुना अधिक है।
- **औद्योगिक उत्सर्जन का संकेंद्रण:** लगभग 100 कंपनियाँ कुल औद्योगिक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन के 71% के लिए जिम्मेदार हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

✂️ न्यूज़ इन शॉर्ट्स ⚡

क्र. सं.	न्यूज़
1.	**तूफान मेलिसा** ■ तूफान मेलिसा ने जमैका में विनाशकारी भूस्खलन किया, जिससे अत्यधिक वर्षा, तूफानी लहरें उत्पन्न हुई है।
2.	**चक्रवात मोंथा** ■ चक्रवात मोंथा बंगाल की खाड़ी के तट से टकराया। "मोंथा" का अर्थ थाई भाषा में एक सुगंधित फूल होता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR